

११ श्रीवानविकिसाध
वदनसिंहसाधनम्॥

वा० ची० श्रीगणेशायनमः अथवालचित्ता दो० लीजेनामगणेशकोजासोंकटेकलेश एकस
१ मैकैरनाशयवैठे उमामहैस पारवसुवाच जैवाहैजकमैजिनकेंपुत्रनहोइ बूखैउमा
महैसकोंकहोंचिकित्तासोर रश्वाउवाच सोरठा पापभागणीनारितिनकेंपुत्रनहो
वसीपुनआगरिवातमे तिनकेंपुत्रनहोवसी पुनैआगएवामतैतिनकीऔषधकहतहै
अथवासवामऔषध मातुलिंगिकेविजदग्धमेंचुरवैषीकेसाथपिबैएजतीन अस्नान
समेंतोगर्भरहै अथदसरी औषधमेदीकोजरसहतमेचुरवै षीकेसाथपीवैमात्रायै
सान्दुरभर २ सहतयैसा आठभरतोगर्भरहै अथऔषधतीसरी लल्लुमणाकीजा
पैसादरभर दूधसोंपीवैदिवसआठतोगर्भरहै अथचौथीऔषधसंखादलकीजर आ
दित्यवारकोतोरल्यावै गौकेदुग्धसोंपीवैतोगर्भरहै अथपंचमऔषध ५ धूमरीमटि

छेरीकेदुग्धमेपिवावेतोगर्भरहे अथऔषदिछठइ सीवलिंगीगोंडधमेदिवसतीन
पिचैतोगर्भरहे अथऔषधसत्तर ७ अष्टगंधमलपागिरचंदनकेसाथपीवेतोगर्भर
हे अथसरासोंकीजरमूलसमेतल्यावे एकवराणागाइकेदुधसोंपीवेदिनतोगर्भर
हे नवरीऔषदि ८ अकरकराकीजरमूलसमेतआदित्यचारकेदिनल्यावेगोइ
धमेदेहस्नानकरपीवेतोस्त्रीगर्भधरे इतिदशऔषधसमाप्त अथनारोगर्भरसासि
ध्वते सोरठा सुनहुउमाचितलाइ गर्भसमेर छमाकरैवालकौउपचार मध्यममा
सकीकेंहुतेही अथमध्यममासपुरहनकेपत्र चंदनसमालकागलीनागकेसर वा
सेजलसोंवाटेधूधपाषीमेपीवे तोवेदनिजाइ जातेगर्भनगिरे पीरनसोइ इतीपमा
सराइकेसरकमलगटालोधू सिधारेवासेजलमेगोइधमेपीवे दिनतीनतोगर्भर

वाची.

२

हे तीसरे मास पुरान के पत्र चंदन तरोर कोजर वासै जल मेवाटे गोदुधवापी सें पी
वै तो गभन गिरे चतुर्थ मास से घारे कीजर अवे लस हति अर सार सोजर स हित अ
चाउर वासै पानी सोवाटे गोदुध सोपी वै तो गभन गिरे पंचम मास क मल गटा अर ना
री कीजर क सेरु वासी जल सोवाटे ओर दुध वाइ गारि पि वै तो गभन गिरे छठव मा
स क मल सिता वा क मल गटा क सेरु कोजर सोरे पानी सोवाटे दूध सोपी वै तो गभ
न गिरे सप्त मास वाइर को मास साल म मिश्रीतु आ कीजर स पेत चंदन कुष्ट गरी
धीमे पि वै तो गभन गिरे अष्ट मास पद मास गुरु लज वासे कीजर स सप्त क
मल गटा वासी पानि सोवाटे धौउ अर दुध सोपी वै तो गभन गिरे अथनव मास प
लास के पत्र वासी जल सोवाटे दूध सोपी वै तो गभन गिरे अथ दस मास सरनव

राम.

३

देव्यैवलिंगगुरुवालंमुचखाहा ३ सिंहीनीनामपूतनासोवालककोमहतदे पाचंडरात
वरहचेष्टाकरेजमुद्गाइं स्वासलेदुकप्येवाकेताकोउपापसिगीवचहरातालेगोमूत्रमे
करे उवटनोकरावैपञ्चातपंचगव्यसोस्नानकरावै तववल्लिदानकरावैपुष्पधूपदिपम
दागमाससोउतरदिमाजाइके तीनरातवल्लिदानकरे अथमंत्र ॐ नमोभगवतेसिद्ध
हृषिनीदेव्यै सपरितारायवलिंगगुरुत्वावालंमुचखाराखा सीतलानामपूतनासोव
हमदिवसेसोरात्रिके जुवानवंदकरहे ताकोउपचार वचकूटगोमूत्र चतुरवाटिका
मेजाइकेपानविधकरे मंत्र ॐ नमोभगवतेमुक्तकरीदेव्यैसीतलायैवलिंगस्ववालं
मुचखारा अदहसीनामपूतनासोअहमदिवसवालककोमहतदेतव इहचेष्टाकर
तुहे जमुद्गाइवाँवारदनको मुठीवाधतुहे औरपीतवनिपरताकेउपचारदधिचा

वाषी. वरचौहिमैजाइधूपदेइ ॐ नमोअहिदंसीदेवैसपरिवारपमहमाभाहपरतिप
४ त अथनवमदिवसे अजामुपीदेवीनवमदिवसबालककोगहनुहे तवबालक
रातदिनरदनकरतुहे औरनेत्रमूँदेरदुतहे ओरश्रवणसूँदेरदुतहे नाकोउपचार
अनारकेबीजांगूगलचंदन अगरसरसोंयैसाभर वासेजलसोसकेमाथेसोंलगवे
तवगाइकेदुधसोअस्नानकरावे तवबालकआरोग्यहोय अथदशमदिवसराख
सीनामपूतनाहेसोबालककोगहनुहे तवबालकदुखलहोतजातहे निदनाहीय
रतहे नाकोउपचार कूटसमरासपेरतिलचच चामरतातेजलपीसैभव बाल
कको अस्नानकरावे पाँकेनेलकीधूनीदेइ धोरमठामिठारनेवेघदेइ अथमत्र
ॐ नमोरोदनीदेवीसवलिंगस्वबालमुंचसाहा अथमासचिकित्सा प्रथममास

यैसी चेष्टा को काक शब्द से वै गज आज रात है रात्रि दीव सरी वै दीवल को सीवास आवे
दीवल के सी आगने आवे रक्त मूत्र आवे नेत्र मूदे रहे ताको उपचार तीन अंन की विधि
ही मास चार प्रकार को रक्त चंदन रक्त पुष्प पीत वस्त्र मेठा के सी गदा तुन वधूप देइ तिल
के तेल को दीपक वो मास मदा विरादिशाम ध्यान वल देइ अथ मंत्र ॐ नमो भगव
त्यै कालिका लभयं करीइ मां वलिंग रूवा लं मुंच साहा अथ दुतीय मास की मुकटा
नाम राससी पूत नाग हतु है तव इह चेष्टा को सार प्रीत होइ श्री बाटे टार है मुख सखे
दूध धो रापी वै वदन होइ ताको उपचार विचरी लडवा लडुक तार सको रक्त चंदन पुष्प
वल देइ निवृ के पातुकु सुम के पातु लह सुन धूप तिल के तेल को दीपक सर्व दिशा
वल देइ अथ मंत्र ॐ नमो भगवत्यै क कमटा ये क्र माये पाताये शुभं यं करी इमं वलीग

वाचि०

५

स्ववालंमुंचस्वाहा अथतृतीयामास गौतमीनामराश्रीसीगद्धं तद्देतवयद्भवेष्टा
करुहेरोवेमूचकरै वारवारनीपावद्धतसोवे महीकैसीवासआवे अंगमेवागोके
सीगंधआवे ताकोउपचार मासुषीचरीसागयोयादूधकोहतीलकसुगंधपुष्पचंद
नपद्भवलदेहीसरसोंकीधूपदेइ तिलकेतेलकोदीपकधरे पूर्वदिशावलदेइ
मंत्र ॐ नमोभंगवत्पेगौतम्येगौतमंगजेगर्जरमवलिंगनूबालमुंचस्वाहा वा
येमासपिंगलानामराश्रीसीगद्धं तद्देतवयद्भवेष्टाकरै दाहितहातकापैदूधयो
रीपीवैरोवेवद्धत स्वेतवारनहीजाइ मुखवद्धोगंधआविताकोउपचार श्रीराम
जी अ॥ अंशिकातेलताको धूनीदेइ आनैवेष्टदूधकीदेइ सायंकालसमयगृह
केपीछेमंत्र ॐ नमोपिंगलायैमहात्म्येदेवलीगद्धं बालंमुंचस्वाहा पंचममा

राम-
५

स ५ लहाना मरासी मोरहि चेष्टा करै प्रीत वराण होइ सुवल्लमूपस्यै दूधरद्वि
द्विषो वैवद्वत एवै ताको उपचार भात सोवाको साग पोइ जो कीमा सुमच्छरी पुरीषी
वार सोध फुल्ल चंदन चौराहि मैव नीदेइ मध्यान दक्षिण दिशा मंत्र ॐ नमो भगव
तै लयाये कचकुमार मभा सारै कर्द मर्द मवल्लिंग सुवालं मुंच सारा षष्ठ ममास ये
क जाना मपूत नागै जैन पद चेष्टा करै चार वारो वैर हिर दिश बवद्वत करै ताको उ
पचार साठी को भात पाइ विचरी पीपी टी के वराक मल्ल फुल्ल फुल्ल को साग मद मच्छ
री के दारै ककरा को मास बाबु कर को मास चंदन सुगंध पुष्प पद्वल्ल दइ मंत्र ॐ
नमो भगवतै पक जाये पक जाभा भूषितं पंक जाभा इ मवल्लिंग सुवालं मुंच सारा
सप्तम मास सीतलाना मपूतना सीतलाना मपूतना वालक को गहेत व इह च

वाची.
६

ष्टाकौ स्वास आवे सरीर काये अहार न करे दात वा जे छेरी के सीवास आवे ताको
उपचार भाज मंदरा मासु छेरी को हरी पीटी की चदि पाते ल मे से के पुष्प पंच वराणाति
ल को चूरा को हरी मिलावे धूप दीप स्नान कर पान पवित्र कर ग्राम मध्य बल देर में
ॐ नमो सीत लाये सीत ल सरीर गंधानु लेपने र मं वलिगु खवालं मुंच खारा
अष्टम मास मूकाना मपूतना वालक को गहत है तब यह चेष्टा करे पीत वर न हो
जाइ और सब देहि पिरा अंति है अर दात पिरात है अग्नी बाटो हो जाइ आम
बंसुप ताको उपचार सायंकाल समये अंरी काले लकी धूनी देइ और विधान ह
धकी मीने वेष देइ वर के पीछे मंत्र ॐ नमो भगवते मूकाने देवै के भूराणा काये मत
मातंगी मिनि मदे मद्र वलिगु खवालं मुंच खारा अथ दसम मास तामसी नाम पूतना

राम-
६

इह चेष्टा करै नेत्र मुंदै है सरिर उषोभा करै आहारन लेहना को उपचार भातरक्त मक्षरीमा
सुमद पिटी के चक्रा पीत करै पुष्पतिल के तैल को दिया वैवेस उतर ही शाम धार वल
इह मंत्र ॐ नमो भगवते रसाप्रिवर्षे रमावलि गृहवालं मुंच स्वाहा एकादशमास चं
दनना पूतना गृहे नवपद चेष्टा करै नेत्र मुंदै है अहारन लेह तरवा माया जरत है औ
रक्त मूत्रे और सरुत नही है ताको उपचार पुष्परक्त आवीरा दक्षिणा दिशा ग्राम के
बाहिर शर आवे मंत्र ॐ नमो भगवते चंदनापे रमावलि गृहवालं मुखाद अथ द्वाद
शमास १२ इह मंदी नाम पूतना इह चेष्टा करै ऊपर को स्वास आवे नय आवे ताको उप
चार भातर दक्षिण को चूरा धूप दिय पूर्व दिशा अद्वैत विवलि देह मंत्र ॐ नमो भग
वते चंदनापे रमावलि गृहवालं मुंच स्वाहा इति मास चिकित्सा अथ वर्ष चिकित्सा दक्षि

वाचीं

७

लीनामपूतनाममवर्षमेग्रहतहे तवयह्वेषाकरैभूमिगिरिपौरसौरउद्योगकरै
वारवाररोवैसरीभीतवर्णहोजाह अहारनलेह अरदेहगंधाई ताकोउपचार भा
नुमदमासमसरीगरदधि तिलकरिधानकीलकोदरीसुगंधपुष्पगोसिंह धूपदीप
रात्रिकेदक्षिणादिशावल्लिदेहमंत्रं ॐ नमोभगवत्प्रेदक्षिणापेइदंवल्लिगुरुवालं
मुचलाहा द्वितियवर्ष २ रोदननामपूतनावालककौंगरतहे तवयह्वेषाक
रै बालकऊपरकों चितवै दाहिनहाथकोंपै ओरातमूतपीतवर्णहोजाह वा
धामानुलमपरैसोदेहानुरै वारवारचोकैरोवै ताकोउपचारगुरुभानुमदमासम
सरीसोसोंक पूगगलजेसबदक्षिणादिशावल्लिदेह असेतसरसों अहिमोचनकी
पूधूपदेह औरकैतकेपत्रपीपरकेपरकेपत्रपलासकेपत्र गूलीकेपत्र बोरकेलेपन

एग

७

कौरे मंत्र ॐ नमो भगवते रोदनं सुखीत स सीयेर दवलिंगरुवा लं मुचत्वा रा
अथ ततो यवर्ष धन दाना पूत साहसा हर चष्टा करे द्वावलरा जुरा आवेरा पकापे अ
हान होले र सुषसं येना को उपचार भानुषी चारिमा सुषरी मदेक हवरी र विधाने
को लावा सुगंध पुष्प मां लेपन पेय के बाद दिवल देह यंच गय सो अस्नान करावे
उत्तर दिशा वल देह सना डप हारि पवित्र हो र मंत्र ॐ नमो भगवते धन दाना ये र मां
वलिंगरु खवालं मुचत्वा रा चतुर्थ वर्ष सुषम नाचं चलाना मपूत ना सो बालक को
गरुज है तव रहि चेष्टा करे जुर हो र ता ल सवेजर तुरहे उर पतर है ता को उपचार
क सवलिक सपुष्प चंदन यंच गय सो बालक को स्नान करावे नवीन वस्त्र सो अं
गणों से ता ही वस्त्र मे सा मशी वधिक सायं काल समये वर के प्रकृत छे तर धौ मेठा के

मां

[illegible]

राम-

बलदेह अथवातालपेदेहतालनहोइ तोचौराहिसैवलइ तीनरात्रवलदेहमं
३ ॐ नमो भगवत्येमासुनाकुमारीवलिंगखवालंमुंचस्वारा अथसत्यमवर्ष जा
तवेहनाकृष्णानामपूतनागदे तवयरुचेष्टाकरैवालकुकुपडइ जायरात
हीनसत्तेनहीछुधानहीलगे औरअतीसारोगरहतुरैताकोदधिक चौरादरामज
रिकहुताउसीरवलदेहकुठकीधूपदेहतिखनुकोहोमकरैमंत्र ३० ॐ नमोभगव
त्येजानवेदनायेकसमादवीदेहदेवलिंगखवालंमुंचस्वारा अष्टमवर्षस्यवलीना
मपूतनाइ रुचेष्टाकरैवारवारऐवैजीरनशब्दकरैदेहमेपारः होतहै ताकोउपचारवीच
रीभातुकुहरीचंदनपूलआनारकेबीजजथासक्तिदक्षिणा अर्घरात्रिसमयवलदेहमं
३ अनमोभगवत्येवलिनानाकजनीदेव्योइ देवलिंगखवालंमुंचस्वारा अथनववर्षस्य

वाची.
९

जलसीतमीनोनामपूतनासोगहेतवयहचेष्टाकरै जुतिअउतापरहेदुखलहोरमा
थाकापेगोदधपोरहोर ताकोउपचार भातुवरारानेपी अरेकारेधानकीधीरपुरीदहील
हसुनकूटवचसरसोरापीकोदांतनावकेपातमानुसकेवारनकीधूपदेइ मंत्र ॐ न
मोभगवत्पेजलत्पेनलनीयेइदंवलिंगरूवात्ममुचस्वारा अथदशमवर्षदेवदन्त
नामपूतनागरुतहेतवयहचेष्टाकरै मूत्रथवेसरीउघोगकरै अक्षानलेइ भ्रमहो
इधा वैगवैनिहुरवचनबोले आपनीपखषीचित्तुल्यावैवारवार ऐसेकरैवद्वतपि
करैताकोउपचार मासराधामछरीकोहरीकुदइहीसुगंधाफूलपुवापुरीकनेरीकेफूल
कमलकेफूलकमलगराकुकुमुतागारुहिवलिदेइ अहूनैहोकेनिकरिकंधूपदेइ
अथचगव्यसोअज्ञानकोमंत्र ॐ नमोभगवत्पेइमावलिंगरूवात्ममुचस्वारा ए

राम.

वार्त्ति०
१०

काशवर्ष ११ कालिकावाल्मीकीनामपूतनावाल्मीकीकौगहेतवस्तुचेष्टाकरैकाओ
षेष्टेष्वसकरै काकभासरोवै शुभानलगेताकोउपचार मासुमस्तुकोरुपवासुगसे
आकोगउद्धतिराहिवलिदेरद्विष्टादिसाजिनरात्रिवलीदेरसरसोनिवकेपातकेधूप
देर मन्त्र ॐ नमोभगवत्यैकालिकाकुमारीदेवलिङ्गरुवालंमुचस्वारा अथहादश
वर्षगवसीनामपूतनाहेसोवाल्मीकीकौगहेतवस्तुचेष्टाकरैदेवलराजाह मुखमुखे तप
आवेताकोउपचार रातपूलस्तुचंदनपुरीषिचिरीभातुभासीअकेचराकुष्मां इदंही
रात्रिकेवलीदेर सरसोनीवकेपातकीधूपदेरपंचगव्यसो अस्नानकरावेमन्त्र ॐ न
मोभगवत्यैवापयैजछिनेरद्वलिङ्गरुवालंमुचस्वारा इतिश्रीवाल्मीकीनामसंपूर्णम्

राम-
११

ॐ ॐ कोररूप

ॐ ॐ विरवेर्जुहनुमान रासदनचलवकचरलोहवेगडा वज्रकेसाठे पवन
पुत्रवेजान तेलसिंधूरकोपुजा ॐ ॐ कालपवनपू कील वंचकहणकी
लपीरकीरुनैरा कीरमराकील मसान कील देवकील दैत्यकील राक्षस
वैल राक्षकील संकीनीडकीनील नरक भुधरा कील वामनकील वाराह
जातवाघा कील नउकोट नागा कील पापकिजारीकील डंडा अवरचारप
थि कील मेदकील आपाघाट करे हाति फाट मरे उर टा ठंकी उपर परे ॐ स्व
स्व स्व ॐ स्व स्व स्व स्व स्वा हा